Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

[4002]-111

M. A. (First Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्न पत्र-1 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी कथा साहित्य)

(उपन्यास तथा कहानी)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य पुस्तकें :— (*i*) कालजयी हिंदी कहानियाँ :

संपादक—रेखा सेठी, रेखा उप्रेती

(*ii*) विजन : मैत्रेयी पुष्पा।

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''आधुनिक कहानी मनोवैज्ञानिक विश्लेषण और जीवन के यथार्थ पर खड़ी है।'' पठित कहानी के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'दोपहर का भोजन' कहानी की समस्या को स्पष्ट कीजिए।

2. '' 'विज़न' वर्तमान उच्च शिक्षित नारी की स्थिति गति को व्यंजित करता है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'विज़न' उपन्यास के आधार पर मेडिकल क्षेत्र में फैले भ्रष्टाचार को विशद कीजिए।

P.T.O.

3. ''‘अकेली’ कहानी एकाकी जीवन की पीड़ा का चित्रण है।'' स्पष्ट कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) डॉ. आलोक

(ख) ‘विज़न’ उपन्यास का शिल्प

(ग) ‘विज़न’ उपन्यास का देशकाल और वातावरण।

4. ‘विज़न’ उपन्यास में चित्रित नारी-चरित्रों की विशेषताओं को विशद कीजिए।

अथवा

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** के उत्तर लिखिए :

(च) ‘वापसी’ कहानी के शीर्षक की सार्थकता को स्पष्ट कीजिए।

(छ) ‘अपराध’ कहानी के उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

(ज) ‘कफन’ कहानी के माधव का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(झ) ‘अपना-अपना भाग्य’ कहानी में चित्रित मानसिकता को स्पष्ट कीजिए।

(त) ‘चीफ की दावत’ कहानी का कथ्य लिखिए।

(थ) ‘आदमी का बच्चा’ कहानी में चित्रित अभिजात्य वर्ग की मानसिकता को चित्रित कीजिए।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(द) तुम सवेरे पढ़ लिया करो। तुम्हारी माँ बूढ़ी हुई, उनके शरीर में अब वह शक्ति नहीं बची है। तुम हो, तुम्हारी भाभी हैं, दोनों को मिलकर काम में हाथ बँटाना चाहिए।

अथवा

मगर कोठरी में बैठने की देर थी कि आँखों से छलछल आँसू बहने लगे। वह दुपट्टे से बार-बार उन्हें पोंछती, पर वह बार-बार उमड़ आते, जैसे बरसों का बाँध तोड़कर उमड़ आए हों।

(ध) प्रोफेशन एक है, हुनर एक है, चयन समितियों के रुख लगभग एक से हैं, तभी न साथियों के साथ ऐसा हुआ। क्या जरूरी है कि उसके साथ ऐसा नहीं होगा। हर साल हजारों डाक्टर्स के साथ यही अन्याय घटित होता है, जिसकी पुकार किसी दरबार में नहीं।

अथवा

अज्ञानी होते तो गँवई आदमी आपके सेंटर तक आता ? यह ज्ञात तो कर लिया है कि सरकारी अस्पताल बहकावे और लूट की जगहें हैं। वहाँ डॉक्टर को मरीज से नहीं, अपनी तन्ख्वाह से मतलब है।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

[4002]-112

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

विशेषस्तर : प्रश्नपत्र-2

(प्राचीन तथा मध्ययुगीन हिंदी काव्य)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (1) विद्यापति : आलोचना और संग्रह ।
संपा : डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित ।
(2) पद्मावत : मलिक मुहम्मद जायसी ।
संपा : डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल ।

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।
(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. "विद्यापति की पदावली में माधुर्य और लयात्मकता का बेजोड़ संगम है ।" सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

अथवा

"विद्यापति-पदावली में प्रकृति के मनोहारी चित्र अंकित हैं ।" सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

2. " 'पद्मावत' में वियोग-शृंगार की प्रधानता है, परन्तु संयोग-शृंगार की भी उसमें पूर्ण अभिव्यक्ति हुई है ।" सोदाहरण सिद्ध कीजिए ।

अथवा

जायसी की भाषा तथा अलंकार-योजना पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

3. विद्यापति की भक्ति-भावना को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(त) 'पद्मावत' में व्यक्त दर्शन

(थ) 'पद्मावत' का प्रेमभाव

(द) 'पद्मावत' में लोकजीवन ।

4. 'पद्मावत' की कथावस्तु संक्षेप में स्पष्ट करते हुए काव्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

(च) विद्यापति द्वारा रचित गीतों का सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए ।

(छ) विद्यापति-पदावली में व्यक्त नारी-सौन्दर्य पर प्रकाश डालिए ।

(ज) विद्यापति की भाषागत विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

(त) विद्यापति के काव्य का महत्व प्रतिपादित कीजिए ।

(थ) विद्यापति-पदावली में व्यक्त संयोग-शृंगार को स्पष्ट कीजिए ।

(द) विद्यापति के काव्य पर संस्कृत साहित्य का प्रभाव स्पष्ट कीजिए ।

5. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) जहँ जहँ पग-जुग-धरई । तहिं तहिं सरोरुह झरई ।।
जहँ जहँ झलकत अंग । तहिं तहिं बिजुरि-तरंग ।।
कि हेरल अपरुब गोरि । पइठल हिय मधि मोरि ।।
जहँ जहँ नयन विकास । तहिं तहिं कमल प्रकास ।।
जहँ जहँ कुटिल-कटाख । ततहिं मदन-सर लाख ।।
हेरइत से धनि थोर । अब तिन भुवन अगोर ।।

अथवा

मधुपुर मोहन गेल रे मोरा बिहरत छाती ।
गोपी सकल बिसरलनि रे जत छल अहि बाती ।।
सुतल छलहुँ अपन गृह रे निन्दइ गेलउं सपनाई ।
करसौं छुटल परसमनि रे कोन गेल अपनाई ।।
कत कहबो कत सुमिरब रे हम भरिए गरानि ।
आनक धन सौं धनवंती रे कुबजा भेल रानि ।।

(ख) सरवर तीर पदुमिनीं आई । खोंपा छोरि केस भोकराई ।
ससि मुख अंग मलैगिरि रानी । नागन्ह झाँपि लीन्ह अरघानी ।
ओनए मेघ परी जग छाहाँ । ससि की सरन लीन्ह जनु राहाँ ।
छपि गै दिनहि भानु कै दसा । लै निसि नखत चाँद परगसा ।
भूलि चकोर दिस्टि तहँ लावा । मेघ घटा महँ चाँद दिखावा ।
दसन दामिनी कोकिल भाषीं । भौहें धनुक गगन लै राखीं ।

अथवा

सावन बरिस मेह अति पानी । भरनि भरइ हौं बिरह झुरानी ।
लागु पुनर्बसु पीउ न देखा । भै बाउरि कहँ कंत सरेखा ।
रकत क आँसु परे भुइँ टूटी । रेंगि चली जनु बीर बहूटी ।
सखिन्ह रचा पिउ संग हिंडोला । हरियर मुइँ कुसुंभि तन चोला ।
हिय हिंडोल जस डोलै मोरा । बिरह झुलावै देइ झँकोरा ।
बाट असूझ अथाह गँभीरा । जिउ बाउर भा भवै भँभीरा ।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**1**

[4002]-113

M.A. (First Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-3 : विशेषस्तर

(भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. भरतमुनि के रससूत्र को स्पष्ट करते हुए रस के अवयवों का विवेचन कीजिए ।

2. साधारणीकरण के संदर्भ में अभिनवगुप्त के विचारों को स्पष्ट कीजिए ।

3. 'रीति' का व्युत्पत्तिमूलक अर्थ बताते हुए रीति और शैली का संबंध स्पष्ट कीजिए ।

4. ध्वनि की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए अभिधामूला ध्वनि के प्रकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए ।

5. वक्रोक्ति की परिभाषा देते हुए वक्रोक्ति सिद्धांत का स्वरूप स्पष्ट कीजिए ।

6. अलंकार की परिभाषा देते हुए काव्य में अलंकार का स्थान स्पष्ट कीजिए ।

7. क्षेमेंद्र के औचित्य विचार का परिचय दीजिए ।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :
   (क) भट्टलोल्लट का आरोपवाद
   (ख) अलंकार और रस
   (ग) ध्वनि और शब्द-शक्ति
   (घ) वक्रोक्ति के भेद ।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

[4002]-114

M. A. (First Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-4 : विशेषस्तर—वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्त्वपूर्ण सूचना :—निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(अ) विशेष साहित्यकार : कबीर

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-ग्रन्थ :—कबीर ग्रंथावली—संपादक-श्यामसुंदर दास

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. संत काव्य परंपरा का संक्षेप में परिचय देते हुए कबीर का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

2. 'कबीर के धार्मिक विचार समन्वयवादी हैं।'' इस कथन की साधार विवेचना कीजिए।

3. कबीर की विरहानुभूति का विवेचन कीजिए।

4. कबीर की दार्शनिकता पर प्रकाश डालिए।

5. कबीर की उलटबाँसियाँ और प्रतीक पद्धति का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

6. कबीर के कवित्व पर प्रकाश डालिए।

7. कबीर के काव्य में विद्रोह की भावना किस प्रकार व्यक्त हुई है ? विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(अ) दीपक दीया तेल भरि, बाती दई अघट्ट।
पूरा किया बिसाहुणाँ, बहुरि न आँवौं हट्ट॥
कबीर गुर गरवा मिल्या, रलि गया आटैं लूँण।
जाति पाँति कुल सब मिटे, नाँव धरौगे कौण॥

P.T.O.

(आ) यहु तन जालौं मसि करूँ, ज्यूँ धूवाँ जाइ सरग्गि।
मति वै राम दया करैं, बरसि बुझावै अग्गि॥
यहु तन जालौं मसि करौं, लिखौं राम का नाउँ।
लेखणिं करूँ करंक की, लिखि लिखि राम पठाउँ॥

(इ) कबीर आप ठगाइये, और न ठगिये कोइ।
आप ठग्याँ सुख ऊपजैं, और ठग्याँ दुख होइ॥
अब कै जे साँई मिलैं, तौ सब दुख आपौं रोइ।
चरनूँ ऊपर सीस धरि, कहूँ ज कहणाँ होइ॥

(ई) एक अचंभा देखा रे भाई,
ठाढ़ा सिंघ चरावै गाई॥
पहलैं पूत पीछे भई माँई, चेला कै गुरु लागै पाई।
जल की मछली तरवर ब्याई, पकरि बिलाई मुरगै खाई॥
बैलहि डारि गुनि घरि आई, कुत्ता कूँ लै गई बिलाई॥
तलिकरि साषा ऊपरिकरि मूल, बहुत भाँति जड़ लागे फूल।
कहै कबीर या पद को बूझै, ताँकू तीन्यूँ त्रिभुवन सूझै॥

(आ) विशेष साहित्यकार : तुलसीदास

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) श्रीरामचरितमानस : उत्तरकांड।

(*ii*) विनयपत्रिका संपा.—वियोगी हरि।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''तुलसीदास का काव्य भक्ति-प्रधान काव्य है।'' इस कथन के आधार पर तुलसी की भक्ति-पद्धति की समीक्षा कीजिए।

2. ''तुलसी के राम आदर्श राजा के रूप में सामने आते हैं।'' सोदाहरण विवेचन कीजिए।

3. '' 'रामचरितमानस' में लोकजीवन की अभिव्यक्ति हुई है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4. ''हिंदी के भक्तिकालीन साहित्य में तुलसी का स्थान अनन्य साधारण है।'' सिद्ध कीजिए।

5. 'विनयपत्रिका' के प्रतिपाद्य पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

6. 'विनयपत्रिका' के कलापक्ष का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

7. गीतिकाव्य परंपरा में 'विनयपत्रिका' का स्थान निर्धारित कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(म) भक्ति सुतंत्र सकल सुख खानी। बिनु सतसंग न पावहिं प्रानी॥
पुन्य पुंज बिनु मिलहिं न संता। सतसंगति संसृति कर अंता॥
पुन्य एक जग महुँ नहिं दूजा। मन क्रम बचन बिप्र पद पूजा॥
सानुकूल तेहि पर मुनि देवा। जो तजि कपटु करह द्विज सेवा॥

अथवा

असरन सरन बिरदु संभारी। मोहि जनि तजहु भगत हितकारी॥
मोरे तुम्ह प्रभु गुर पितु माता। जाउँ कहाँ तजि पद जल जाता॥
तुम्हहि बिचारि कहहु नरनाहा। प्रभु तजि भवन काज मम काहा॥
बालक ग्यान बुद्धि बल हीना। राखहु सरन नाथ जन दीना॥

(न) श्रीरामचंद्र कृपालु भजु मन, हरन-भव-भय-दारुनं।

नवकंज-लोचन, कंजमुख, करकंज, पद कंजारुनं॥1॥

कंदर्प-अगनित-अमित-छबि, नवनील-नीरद सुंदरं।

पटपीत मानहुँ तड़ित रुचि सुचि नौमि जनक-सुतावरं॥2॥

भजु दीनबन्धु दिनेस दानव-दैत्य-बंस निकंदनं।

रघुनंद आनंदकंद कोसलचंद दसरथ-नन्दनं॥3॥

अथवा

राम कहत चलु, राम कहत चलु, राम कहत चलु भाई रे।

नाहिं तौ भव-बेगारि महँ परिहौ, छूटत अति कठिनाई रे॥1॥

बाँस पुरान साज सब अठकठ, सरल तिकोन खटोला रे।

हमहिं दिहल करि कुटिल करमचँद मन्द मोल बिनु डोला रे॥2॥

विषम कहार मार-मद-माते चलहिं न पाउँ बटोरा रे।

मन्द बिलन्द अभेरा दलकन पाइय दुख झकझोरा रे ॥3॥

(इ) विशेष साहित्यकार : नाटककार मोहन राकेश

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) आषाढ़ का एक दिन

(*ii*) लहरों के राजहंस

(*iii*) आधे-अधूरे

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भारतीय दृष्टि से नाटक के तत्त्वों का विवेचन कीजिए।

2. ''मोहन राकेश का जीवन विभिन्न उतार-चढ़ाव एवं संघर्ष से युक्त है।'' इस कथन के संदर्भ में उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

3. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाट्य साहित्य का परिचय देते हुए नाटककार मोहन राकेश का महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

4. नाट्य-कला की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' का मूल्यांकन कीजिए।

5. 'लहरों के राजहंस' नाटक की मंचीयता का विवेचन कीजिए।

6. 'आधे-अधूरे' में आधुनिक महानगरीय मध्यवर्गीय जीवन का अंकन है। स्पष्ट कीजिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मोहन राकेश की नाट्य-कला

(ख) 'आषाढ़ का एक दिन' का नायक

(ग) 'लहरों के राजहंस' का द्वन्द्व

(घ) 'आधे-अधूरे' की भाषा-शैली।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(च) यह क्यों आवश्यक है कि तुम उन सब अपेक्षाओं का निर्वाह करो ? तुम दूसरों के लिये नयी अपेक्षाओं की सृष्टि कर सकते हो।

(छ) मेरी कामना मेरे अन्तर की है। मेरे अन्तर में ही उसकी पूर्ति भी हो सकती है। बाहर का आयोजन उसके लिए उतना महत्त्व नहीं रखता जितना कुछ लोग समझ रहे हैं।

(ज) इस घर का आज तक कुछ बना है, या आगे बन सकता है, तो सिर्फ़ बाहर के लोगों के भरोसे। मेरे भरोसे तो सब-कुछ बिगड़ता आया है और आगे बिगड़ ही बिगड़ सकता है।

(झ) हाँ, क्योंकि सत्ता और प्रभुता का मोह छूट गया है। आज मैं उस सबसे मुक्त हूँ जो वर्षों से मुझे कसता रहा है।

(ई) विशेष साहित्यकार : कवि अज्ञेय

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्यपुस्तकें :— (*i*) हरी घास पर क्षण भर

(*ii*) बावरा अहेरी

(*iii*) कितनी नावों में कितनी बार।

सूचनाएँ :—(*i*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए, जिनमें से **आठवाँ** प्रश्न अनिवार्य है।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''अज्ञेय का जीवन प्रयोगधर्मा, यायावर एवं अन्वेषणशील रहा है।'' स्पष्ट कीजिए।

2. ''अज्ञेय नई कविता के प्रवर्तक रहे हैं।'' नई कविता की विशेषताओं के संदर्भ में अज्ञेय का योगदान स्पष्ट कीजिए।

3. ''आज का कवि समकालीन मानवीय संवेदना के चौखटे में प्रकृति को बैठाता है।'' इस कथन का अज्ञेय की कविताओं के संदर्भ में विवेचन कीजिए।

4. अज्ञेय की कविताओं का बिंब-विधान स्पष्ट कीजिए।

5. '' 'हरी घास पर क्षण भर' की कविताओं में बौद्धिकता के साथ-साथ सहज गीतात्मकता भी है।'' स्पष्ट कीजिए।

6. '' 'बावरा अहेरी' की कविताओं में अज्ञेय ने प्राकृतिक प्रतीकों का प्रचुर मात्रा में प्रयोग किया है।'' सोदाहरण विवेचन कीजिए।

7. ''कितनी नावों में कितनी बार' की कविताओं में अज्ञेय की सत्यसंघानी दृष्टि की अटूट खरी अनुभूति व्यक्त हुई है।'' स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) क्रौंच बैठा हो कभी वल्मीक पर तो मत समझ
वह अनुष्टुप्, बाँचता है संगिनी से स्मरण के
जान ले, वह दीमकों की टोह में है।

(ख) आओ बैठो, क्षणभर तुम्हें निहारूँ।
अपनी जानी एक-एक रेखा पहचानूँ
चेहरे की, आँखों की—अंतर्मन की
और—हमारी साझे की अनगिनत स्मृतियों की :
तुम्हें निहारूँ,
झिझक न हो कि निरखना दबी वासना की विकृति है।

(ग) यह प्रकृत, स्वयंभू, ब्रह्म, अचुत :
इसको भी शक्ति को दे दो।
यह दीप, अकेला, स्नेह भरा,
है गर्व भरा मदमाता, पर
इसको भी पंक्ति को दे दो।

(घ) उधर उस काँच के पीछे पानी में
ये जो कई मछलियाँ
बे-आवाज खिसलती हैं
उनमें से किसी एक को
अभी हमीं में से कोई खा जाएगा
जल्दी से पैसे चुकाएगा
चला जाएगा।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

[4002]-211

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2011

हिंदी

प्रश्नपत्र 5 : सामान्य स्तर

(आधुनिक हिंदी नाटक तथा अन्य विधाएँ)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कोर्ट मार्शल : स्वदेश दीपक

(*ii*) हजारीप्रसाद द्विवेदी के चुने हुए निबंध : सं. मुकुंद द्विवेदी

(*iii*) यात्रा साहित्य : सं.—डॉ. तुकाराम पाटिल
डॉ. नीला बोर्वणकर

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''कोर्ट मार्शल नाटक वायुसेना के कानून विभाग का खुला चित्रण है''—स्पष्ट कीजिए।

अथवा

कोर्ट मार्शल नाटक की अभिनेयता को स्पष्ट करते हुए उसकी समस्या पर प्रकाश डालिए।

2. ''हजारीप्रसाद द्विवेदी के निबंधों में मनुष्य की दुर्गम शक्ति के प्रति अटूट आस्था दिखाई देती है।'' पठित निबंधों के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

अथवा

'अशोक के फूल' निबंध में चित्रित भारतीय संस्कृति के महत्व को स्पष्ट कीजिए।

3. ''आधुनिक युग में जो राजनीतिक सामाजिक परिवर्तन रहे उनका स्पष्ट प्रभाव यात्रा साहित्य में दिखाई देता है।''—विवेचन कीजिए।

अथवा

'तिब्बत की सीमा पर' एक खोजी यात्रावृत्त है—संक्षेप में समझाइए।

4. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) मेजर अजयपुरी का चरित्र

(ख) 'कोर्ट मार्शल' के गवाहों के साथ संवाद

(ग) 'आम फिर बौरा गया' निबंध की भाषा-शैली

(घ) 'मेरी जन्मभूमि' में चित्रित प्रेम और शोध

(च) 'यात्रा का रोमांस' का सैद्धान्तिक स्वरूप

(छ) 'यूरोप की अमरावती' : रोम का वर्णन।

5. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(त) कई बार सच बिल्ली की तरह दुबककर किसी अँधेरे कोने में छिपकर बैठा रहता है। ध्यान से देखें, सोचें, तभी पता चल सकता है कि सत्य क्या है।

(थ) साधारण मनुष्य के लिए यह समझना बड़ा कठिन है कि कब पंडित का शास्त्र उसकी बुद्धि को दबा देता है और कब उसकी बुद्धि शास्त्र को।

(द) उस रात मुझे लगा था कि पहाड़ों में भी साँप की आँख जैसा एक अविस्मृत, जादुई सम्मोहन होता है.....एक भुतैला–सा सौन्दर्य, जो एक साथ हमें आतंकित और आकर्षित करता है, जिसके मोह–पाश में बँधना उतना ही यातनामय है, जितना उससे मुक्त होना।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

[4002]-212

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

विशेषस्तर : प्रश्न-पत्र-6

मध्ययुगीन हिंदी काव्य

(सूरदास, बिहारी, घनानंद)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) भ्रमरगीत सार—सूरदास संपा. आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(*ii*) रीतिकाव्य धारा संपा. डॉ. रामचंद्र तिवारी, डॉ. रामफेर त्रिपाठी

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''सूर का 'भ्रमरगीत' भक्ति, काव्य और संगीत की त्रिवेणी है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

उपालंभ काव्य की दृष्टि से भ्रमरगीत की समीक्षा कीजिए।

2. ''बिहारी ने अपने दोहों में गागर में सागर भर दिया है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

बिहारी का शब्द चयन तथा उनकी भाषा पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

3. ''घनानंद ने वियोग की अन्तर्दशाओं का मार्मिक चित्रण किया है।'' सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

अथवा

रीतिकालीन काव्य में घनानंद का स्थान निर्धारित कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(य) सूर के उद्धव

(र) सूर की भाषा

(ल) बिहारी की बहुज्ञता

(व) बिहारी का काव्य सौन्दर्य

(क्ष) घनानंद की प्रेम-व्यंजना

(ज्ञ) घनानंद का काव्य-शिल्प।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की संसदर्भ व्याख्या कीजिए :

(त) ऊधो ! ब्रज में पैंठ करी।

यह निर्गुन निर्मल गाठरी अब किन करहु खरी॥

नफा जानि कै ह्यां लै आए सवै वस्तु अकरी।

यह सौदा तुम ह्यां लै बेंचौ जहाँ बड़ी नगरी॥

हम ग्वालिन, गोरस दधि बेंचौ, लेहिं अबै सबरी।

सूर यहाँ कोउ गाहक नाही, देखियत गरे परी॥

(थ) गिरि तै ऊँचे रसिक-मन, बूडे जहाँ हजारु।
वहैं सदा पसुनरन कौं, प्रेम-पयोधि पगारु॥
दृग, उरझत, टूटत कुटुम, जुरत चतुर-चित प्रीति।
परति गाँठि दुरजन हियै, दई नई यह रीति॥

(द) अंतर हौ किधौं अंत रहौ, दृग फारि फिरौं कि अभागिनी भीरौं।
आगि जरौं अकि पानी परौं, अब कैसी करौं हिय का बिधि धीरौं॥
जौ घनआनंद ऐसी रुची, तो कहा बस है अहो प्राननि पीरौं।
पाऊ कहाँ हरि हाय तुम्हैं, धरनी मैं धँसौं कि अकासहिं चीरौं।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

[4002]-213

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र-7 : विशेष स्तर

(पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत तथा आलोचना)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के ऐतिहासिक विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए।

2. अरस्तू द्वारा प्रतिपादित विरेचन की प्रक्रिया तथा उसकी मनोवैज्ञानिक व्याख्या स्पष्ट कीजिए।

3. उदात्त के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए उसके अंतरंग और बहिरंग तत्वों का विवेचन कीजिए।

4. आई. ए. रिचर्ड्स के मनोवैज्ञानिक मूल्यवाद को स्पष्ट कीजिए।

5. अभिव्यंजनावाद का स्वरूप बताते हुए कला के साथ उसका संबंध स्पष्ट कीजिए।

6. प्रतीक की व्याख्या देते हुए प्रतीकों का वर्गीकरण सोदाहरण प्रस्तुत कीजिए।

P.T.O.

7. आलोचना के उद्देश्य बताते हुए सैद्धांतिक आलोचना पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) प्लेटो का अनुकरण सिद्धांत

(ख) काव्य में बिंब का महत्व

(ग) विखंडनवाद

(घ) आलोचक के गुण।

Total No. of Questions—**8+8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**8**

[4002]-214

M.A. (Second Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 8 : विशेषस्तर : वैकल्पिक

विशेष विधा तथा अन्य

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(क) हिंदी उपन्यास

पाठ्य-पुस्तकें : (1) गोदान : प्रेमचंद

(2) मैला आँचल : फणीश्वरनाथ 'रेणु'

(3) राग दरबारी : श्रीलाल शुक्ल

(4) एक पत्नी के नोट्स : ममता कालिया

सूचनाएँ : (1) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. उपन्यास की परिभाषा देते हुए उसके तत्वों का विवेचन कीजिए।

2. साठोत्तर हिंदी उपन्यास साहित्य का परिचय दीजिए।

3. हिंदी के सामाजिक उपन्यासों की प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

P.T.O.

4. '' 'गोदान' ग्रामीण जीवन का महाकाव्य है।'' विवेचन कीजिए।

5. देशकाल-वातावरण की दृष्टि से 'मैला आँचल' का मूल्यांकन कीजिए।

6. उपन्यास कला की दृष्टि से 'राग दरबारी' का मूल्यांकन कीजिए।

7. '' 'एक पत्नी के नोट्स' पुरुष प्रधान संस्कृति में पिसती हुई नारी का दस्तावेज है।''—स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) उपन्यास और कहानी।

(ख) 'गोदान' में चित्रित समस्याएँ।

(ग) 'राग दरबारी' का शीर्षक।

(घ) 'एक पत्नी के नोट्स का उद्देश्य।

[4002]-214

(ख) हिंदी नाटक और रंगमंच

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : (1) अंधेर नगरी : भारतेंदु हरिश्चंद्र

(2) कोणार्क : जगदीशचंद्र माथुर

(3) एक सत्य हरिश्चंद्र : डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल

सूचनाएँ :—(1) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. नाटक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए महाकाव्य के साथ उसकी तुलना कीजिए।

2. साठोत्तर हिंदी नाटक और रंगमंच की प्रयोगधर्मिता का विवेचन कीजिए।

3. हिंदी में अनूदित नाटकों की परंपरा का संक्षेप में परिचय देते हुए अनूदित नाटकों के योगदान पर प्रकाश डालिए।

4. नाटक की संरचना के विभिन्न तत्वों का सामान्य परिचय दीजिए।

5. 'अंधेर नगरी' नाटक की कथावस्तु लिखते हुए उसकी व्यंग्यात्मकता पर प्रकाश डालिए।

6. 'कोणार्क' में इतिहास, कल्पना और आधुनिक बोध का सुंदर समन्वय हुआ है—स्पष्ट कीजिए।

7. 'एक सत्य हरिश्चंद्र' का अभिनेयता और मंचीयता की दृष्टि से विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भारतीय नाट्य-दृष्टि

(ख) भारतेंदुयुगीन हिंदी नाटक

(ग) नाटक का देशकाल-वातावरण

(घ) एकांकी का स्वरूप।

[4002]-214

(ग) प्रयोजनमूलक हिंदी

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ : (1) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी भाषा के विविध रूपों का उल्लेख करते हुए माध्यम भाषा और संपर्क भाषा का परिचय दीजिए।

2. प्रयोजनमूलक हिंदी की परिभाषा स्पष्ट करते हुए उसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

3. कार्यालयीन लेखन का स्वरूप स्पष्ट करते हुए टिप्पण और प्रारूपण का महत्व विशद कीजिए।

4. सरकारी पत्राचार का स्वरूप लिखकर कार्यालय आदेश का प्रारूप प्रस्तुत कीजिए।

5. जनसंचार के विभिन्न माध्यमों का उल्लेख करते हुए दृक-श्राव्य माध्यम का स्वरूप एवं महत्व स्पष्ट कीजिए।

6. संचार माध्यमों में विज्ञापन-लेखन का महत्व विशद कीजिए।

7. कम्प्यूटर की विविध प्रयुक्तियों की जानकारी दीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) कार्यालयी हिंदी की विशेषताएँ

(ख) शिकायती पत्र

(ग) पटकथा लेखन

(घ) इंटरनेट पोर्टल।

(घ) दलित साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें : (1) दोहरा अभिशाप : कौसल्या बैसंत्री

(2) पहला खत : डॉ. धर्मवीर

(3) आवाजें : मोहनदास नैमिषराय

(4) घुसपैठिए : ओमप्रकाश वाल्मीकि

(5) असीम है आसमाँ : डॉ नरेंद्र जाधव

सूचनाएँ : (1) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(2) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. दलित साहित्य का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

2. दलित साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

3. दलित साहित्य पर पड़े विभिन्न प्रभावों का विवेचन दीजिए।

4. दलित साहित्य के अभिव्यक्ति पक्ष को स्पष्ट कीजिए।

5. 'दोहरा अभिशाप' की शिल्पगत विशेषताएँ लिखिए।

6. 'पहला खत' के कथ्य को स्पष्ट कीजिए।

7. 'असीम है आसमाँ' की भाव-संवेदना स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) दलित साहित्य और कबीर

(ख) दलित साहित्य की विशेषताएँ

(ग) 'दोहरा अभिशाप' का शीर्षक

(घ) 'असीम है आसमाँ' का शिल्प।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

[4002]-311

M. A. (Third Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

सामान्य स्तर : प्रश्नपत्र-9

(आधुनिक काव्य)

(महाकाव्य, दीर्घ कविता तथा काव्य नाटक)

(2008 PATTERN)

वेळ : तीन तास **एकूण गुण : 80**

पाठ्य पुस्तकें :— (*i*) कामायनी : जयशंकर प्रसाद

(*ii*) दीर्घ कविताएँ : सं. डॉ. सुरेशकुमार जैन, डॉ. नीला बोर्बणकर

(*iii*) अंधा युग : डॉ. धर्मवीर भारती

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. महाकाव्य के तत्वों के आधार पर 'कामायनी' की समीक्षा कीजिए।

अथवा

'कामायनी' के पात्रों की प्रतीकात्मकता पर प्रकाश डालिए।

2. '' 'सरोज स्मृति' पुरानी रूढ़ियों पर प्रहार करता काव्य है।'' विवेचन कीजिए।

अथवा

'' 'ब्रह्मराक्षस' कविता व्यक्ति के आंतरिक और सामाजिक संघर्ष की सार्थकता को प्रस्तुत करती है।'' स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

3. 'अंधा युग' की कथावस्तु संक्षेप में प्रस्तुत करते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'अंधा युग' के पात्रों का परिचय कीजिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) 'कामायनी' का मनु

(ख) 'कामायनी' का कला पक्ष

(ग) 'ब्रह्मराक्षस' कविता में चित्रित फंतासी

(घ) 'असाध्य वीणा' की प्रतीकात्मकता।

अथवा

(च) 'अंधा युग' में संवाद योजना

(छ) 'अंधा युग' का उद्देश्य।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(ज) ''ओ चिंता की पहली रेखा, अरी विश्व-वल की व्याली,
ज्वालामुखी स्फोट के भीषण प्रथम कंप सी मतवाली!
है अभाव की चपल बालिके, री ललाट की खलरेखा!
हरी-भरी-सी दौड़-धूप, ओ जल-माया की चल रेखा!''

अथवा

''कौन तुम ? संसृति-जलनिधि तीर, तरंगों से फेंकी मणि एक,
कर रहें निर्जन का चुपचाप, प्रभा की धारा से अभिषेक
मधुर विश्रांत और एकांत, जगत का सुलझा हुआ रहस्य,
एक करुणामय सुंदर मौन, और चंचल मन का आलस्य॥''

(झ) चुप हो गया प्रियंवद !

सभा भी मौन रही।

वाद्य उठा साधक ने गोद रख लिया।

धीरे-धीरे झुक उस पर, तारों पर मस्तक टेक दिया।

सभा चकित थी-अरे, प्रियंवद क्या सोता है ?

केश कम्बली अथवा हो कर पराभूत

झुक गया वाद्य पर ?

वीणा सचमुच क्या है असाध्य ?

अथवा

यहाँ जनता एक गाड़ी है

एक ही संविधान के नीचे,

भूख से रियाती हुई फैली हथेली का नाम

'दया' है

और भूख में

तनी हुई मुठ्ठी का नाम

नक्सलबाड़ी है

(ट) 'मर्यादा मत तोड़ो

तोड़ी हुई मर्यादा

कुचले हुए अजगर-सी

गुंजलिका में कौरव-वंश को लपेट कर

सूखी लकड़ी-सा तोड़ डालेगी।''

अथवा

''सारा तुम्हारा वंश
इसी तरह पागल कुत्तों की तरह
एक-दूसरे को परस्पर फाड़ खाएगा
तुम खुद उनका विनाश करके कई वर्षों बाद
किसी घने जंगल में
साधारण व्याध के हाथों मारे जाओगे
प्रभु हो
पर मारे जाओगे पशुओं की तरह ।''

Total No. of Questions –**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

[4002]-312

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्न-प्रत्र 10 : विशेष स्तर

भाषाविज्ञान

(2008 PATTERN)

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. भाषाविज्ञान की **दो** शाखाओं पर प्रकाश डालिए।

2. भाषा की परिभाषा देकर भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

3. रूपिम की परिभाषा देकर उसके भेदों पर प्रकाश डालिए।

4. साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता स्पष्ट कीजिए।

5. वाक्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी आधारभूत आवश्यकताओं को स्पष्ट कीजिए।

6. भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

7. अर्थविज्ञान की परिभाषा देकर अर्थ-परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए।

P.T.O.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) तुलनात्मक भाषा विज्ञान

(ख) अर्थ-परिवर्तन की दिशाएँ

(ग) व्यंजन गुच्छ

(घ) स्वन और स्वनिम में अंतर।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**3**

[4002]-313

M.A. (Third Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

विशेषस्तर : प्रश्नपत्र 11

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आदिकाल, भक्तिकाल, रीतिकाल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं ।

1. आदिकालीन परिस्थितियों का वर्णन करते हुए तत्कालीन साहित्य पर उनके प्रभाव को स्पष्ट कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) रासो काव्य

(ख) नाथ साहित्य

(ग) विद्यापति ।

2. रामभक्ति साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का वर्णन करते हुए इस साहित्य की सामाजिक उपादेयता पर प्रकाश डालिए ।

P.T.O.

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(घ) भक्तिकालीन नीति साहित्य

(च) कृष्णभक्ति साहित्य

(छ) जायसी ।

3. रीतिकालीन साहित्य की विषयगत प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए ।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(ज) रीतिकालीन वीर काव्य

(झ) रीतिकाल के विविध नाम

(ट) घनानंद ।

4. निम्नलिखित में से किसी **एक** प्रश्न का उत्तर विस्तार से लिखिए :

(*i*) आदिकाल के नामकरण के विविध आधार बताते हुए उसके नामों की सार्थकता पर प्रकाश डालिए ।

(*ii*) कबीर के साहित्य की सामाजिक उपादेयता को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

(*iii*) रीतिकालीन साहित्य के योगदान का परिचय दीजिए ।

5. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(*i*) 'रासो' शब्द के विभिन्न अर्थ लिखिए ।

(*ii*) चंदबरदाई के काव्य की **चार** विशेषताएँ लिखिए ।

(*iii*) भक्तिकाल की प्रमुख काव्यशाखाओं का उल्लेख कीजिए ।

(*iv*) मीराबाई के साहित्य का परिचय दीजिए ।

(*v*) प्रेमाश्रयी शाखा की प्रमुख **चार** प्रवृत्तियाँ लिखिए ।

(*vi*) सूरदास के काव्य के सौंदर्य पर प्रकाश डालिए ।

(*vii*) भूषण के काव्य की प्रमुख विशेषताएँ लिखिए ।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक** वाक्य में लिखिए :

(*i*) रासो काव्य के **दो** प्रकार लिखिए ।

(*ii*) चंदबरदाई की काव्यरचना का नाम लिखिए ।

(*iii*) 'रामचरितमानस' किस बोली में लिखा गया है ।

(*iv*) 'रामचंद्रिका' के रचनाकार का नाम लिखिए ।

(*v*) बिहारी की रचना का नाम लिखिए ।

(*vi*) रसखान के काव्य में किसकी भक्ति का वर्णन है ।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4**

[4002]-314

M. A. (Third Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 12 : विशेष स्तर—वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी एक ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

समय : 3 घण्टे **पूर्णांक : 80**

(अ) आधुनिक हिंदी आलोचना

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. हिंदी आलोचना के विकासक्रम को स्पष्ट कीजिए।

2. आलोचना के विविध प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

3. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना पद्धति को स्पष्ट करते हुए हिंदी आलोचना में उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए।

4. डॉ. नगेंद्र की आलोचना पद्धति के स्वरूप एवं विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. हिंदी आलोचना के स्वरूप तथा उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

6. ''डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पर मार्क्सवाद का प्रभाव दृष्टिगोचर होता है।'' इस कथन को सिद्ध कीजिए।

P.T.O.

7. आ. नंददुलारे वाजपेयी की आलोचना पद्धति को स्पष्ट कर हिंदी आलोचना में उनके योगदान को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) हिंदी आलोचना में डॉ. नामवर सिंह का योगदान

(ख) आलोचक के लिए आवश्यक गुण

(ग) सर्जनशील साहित्य

(घ) आलोचना की प्रक्रिया।

(आ) अनुवाद विज्ञान

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. अनुवाद की प्रक्रिया का महत्व प्रतिपादित कीजिए।

2. वैज्ञानिक और तकनीकी सामग्री के अनुवाद की आवश्यकता बताकर समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

3. अनुवादक की योग्यता पर प्रकाश डालिए।

4. अनुवाद और लिप्यंतरण की आवश्यकता बताकर समस्याओं को स्पष्ट कीजिए।

5. अनुवाद कार्य में सहायक साधनों को विशद कीजिए।

6. कम्प्यूटर अनुवाद की समस्याओं तथा सीमाओं पर प्रकाश डालिए।

7. वाणिज्य तथा व्यवसाय क्षेत्रों में अनुवाद की आवश्यकता को स्पष्ट करते हुए उसकी समस्याओं पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) अनुवाद की उपयोगिता

(ख) अनुवाद और वाक्यविज्ञान

(ग) नाट्यानुवाद

(घ) अनुवाद समीक्षा।

(इ) जनसंचार माध्यम और हिंदी

सूचनाएँ :— (*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. जनसंचार माध्यमों का स्वरूप, कार्य और उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

2. वैश्वीकरण की प्रक्रिया में जनसंचार माध्यमों की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

3. सूचना प्रौद्योगिकी के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

4. हिंदी पत्रकारिता के विविध रूपों का परिचय दीजिए।

5. हिंदी से संबंधित तकनीकी ज्ञान की जानकारी दीजिए।

6. माध्यमों की भाषा और ग्रंथ-भाषा के साम्य-अंतर पर प्रकाश डालिए।

7. जनसंचार माध्यमों में अनुवाद की आवश्यकता स्पष्ट करते हुए प्रादेशिक भाषाओं में अनुवाद की समस्या पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भाषा की सूचनात्मक क्षमता

(ख) इंटरनेट की पत्रकारिता

(ग) जनशिक्षाविषयक कार्यक्रम और भाषा

(घ) कृषिकेंद्रित कार्यक्रमों में हिंदी भाषा का रूप।

Total No. of Questions—**5**] [Total No. of Printed Pages—**4**

[4002]-411

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2011

हिंदी

प्रश्नपत्र 13 : सामान्य स्तर

आधुनिक काव्य

(खंडकाव्य, विशेष कवि तथा नई कविता)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

पाठ्य-पुस्तकें :— (*i*) कितने प्रश्न करूँ : ममता कालिया

(*ii*) युगधारा : नागार्जुन

(*iii*) काव्यकुंज : संपा. रामशंकर राय 'सौमित्र'

सूचनाएँ :— (*i*) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''कितने प्रश्न करूँ' खंडकाव्य नारी और पुरुष के संबंधों के बारे में एक वैज्ञानिक विचारधारा का पक्षधर है''—स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' के काव्यरूप पर प्रकाश डालिए।

2. नागार्जुन के काव्य में व्यक्त उनकी प्रगतिशील चेतना को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

नागार्जुन की कविताओं के शिल्पगत सौंदर्य को स्पष्ट कीजिए।

3. गिरिजाकुमार माथुर की कविताओं के कलापक्ष का विवेचन कीजिए।

अथवा

''भवानीप्रसाद मिश्र की कविताएँ व्यक्ति, समाज तथा देश की स्थितियों का आकलन भावनात्मक स्तर पर करती हैं''—स्पष्ट कीजिए।

4. निम्नलिखित पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(1) 'कितने प्रश्न करूँ' के राम।

अथवा

'कितने प्रश्न करूँ' में प्रकृति-चित्रण।

(2) 'भिक्षुणी' की व्यथा।

अथवा

'बादल को घिरते देखा है' की बिंब-योजना।

(3) 'बौनों की दुनिया' का व्यंग्य।

अथवा

'सन्नाटा' का वातावरण।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए :

(क) फिर पतिव्रता नारी का
पति के अतिरिक्त किसी के
संग जाना उचित नहीं था
विपरीत काल हो चाहे
मारुति साक्षी हैं इसके
मैं प्राणार्पण कर देती;
उनने ही धीर बँधाया
सौगंध तुम्हारी दे दी।

अथवा

अपवित्र सिर्फ नारी ही
होती है क्या जीवन में
क्या पुरुष पान कर आता
पावनता की घुट्टी में !
नारी ही शोधित होती
आई है युगों युगों से
क्या निष्कलंक रहता नर
चाहे गुजरे खतरों से ?

(ख) भूख या क्षुधा नाम हो जिसका
ऐसी किसी व्याधि का पता नहीं हमको
सावधान महाराज,
नाम नहीं लीजिएगा
हमारे समक्ष फिर कभी भूख का !!

अथवा

कहाँ गिरेंगे ऐटम या हाइड्रोजन बम ?
शांत-निरीह नगर-ग्रामों पर
खेतों-खानों-खलिहानों पर
सुंदर सुभग सृष्टि रचने में व्यग्रव्यस्त बे-भान हजारों दस्तकार पर
शत सहस्र वर्षों की संचित सूझ-समझ के फलस्वरूप उपलब्ध—
शिल्प के ललित-अमोलक चमत्कार पर।

(ग) ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है,
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है।
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है,
किंतु आ रही नई जिंदगी
यह विश्वास अमर है।

अथवा

जी, गीत जनम का लिखूँ, मरन का लिखूँ;
जी, गीत जीत का लिखूँ, शरन का लिखूँ;
यह गीत रेशमी है, यह खादी का,
यह गीत पित्त का है, यह बादी का।
कुछ और डिजायन भी हैं, ये इल्मी–
यह लीजे चलती चीज नई, फिल्मी।

Total No. of Questions—**8**] [Total No. of Printed Pages—**2**

[4002]-412

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

विशेषस्तर : प्रश्नपत्र 14

हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकास

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय देते हुए उनमें से किसी **एक** भाषा की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

2. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं के वर्गीकरण के संबंध में प्रमुख मतों का विवेचन कीजिए।

3. हिंदी की बोलियों का वर्गीकरण करते हुए ब्रज की विशेषताएँ लिखिए।

4. ''हिंदी का शब्द-भंडार अत्यंत समृद्ध है।'' इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

5. हिंदी के शब्द निर्माण में प्रत्यय, उपसर्ग तथा समास के महत्व को सोदाहरण समझाइए।

P.T.O.

6. हिंदी के व्याकरणिक स्वरूप की सामान्य जानकारी प्रस्तुत कीजिए।

7. देवनागरी लिपि की विशेषताओं को स्पष्ट करते हुए उसके सुधारों के प्रयत्न पर प्रकाश डालिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) पालि की विशेषताएँ

(ख) संचार भाषा

(ग) ब्राह्मी लिपि

(घ) मशीनी-अनुवाद।

Total No. of Questions—**7**] [Total No. of Printed Pages—**2**

[4002]-413

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

विशेषस्तर : प्रश्नपत्र 15

हिंदी साहित्य का इतिहास

(आधुनिक काल)

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचना :— (*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) प्रश्न क्र. **1** से **5** तक के प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*iii*) प्रश्न क्र. **6** तथा **7** अनिवार्य हैं।

(*iv*) कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. द्विवेदीयुगीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

2. नई कहानी की कथ्य एवं शिल्पगत प्रवृत्तियों का परिचय दीजिए।

3. हिंदी निबंध साहित्य के विकासक्रम का परिचय दीजिए।

4. प्रगतिवाद के उद्‌भव के कारण बताते हुए उसकी सामान्य प्रवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

5. नई कविता की सामान्य प्रवृत्तियाँ बताते हुए उसमें 'अज्ञेय' का योगदान स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

6. निम्नलिखित में से किन्ही **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) हिंदी गद्य-विकास और आर्य समाज

(*ii*) नाटककार शंकरशेष

(*iii*) द्विवेदीयुगीन हिंदी आलोचना

(*iv*) छायावाद की सीमाएँ

(*v*) समकालीन कविता

(*vi*) माखनलाल चतुर्वेदी

7. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : [12]

(*i*) भारतेन्दु पूर्व काल के गद्यकार सदल मिश्र का परिचय दीजिए।

(*ii*) प्रेमचंदयुगीन उपन्यास-साहित्य की **दो** प्रमुख विशेषताओं का परिचय दीजिए।

(*iii*) स्वातंत्र्योत्तर नाटक की **दो** प्रवृत्तियाँ लिखिए।

(*iv*) भारतेन्दु युग के काव्य की **दो** प्रमुख प्रवृत्तियाँ स्पष्ट कीजिए।

(*v*) रघुवीर सहाय के काव्य की **दो** प्रमुख विशेषताएँ लिखिए।

(*vi*) जनवादी कवि नागार्जुन का परिचय दीजिए।

(आ) निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **एक-एक** वाक्य में लिखिए : [4]

(*i*) भाषा सुधार किस युग की प्रमुख प्रवृत्ति है ?

(*ii*) आचार्य रामचंद्र शुक्ल के निबंध संग्रह का नाम लिखिए।

(*iii*) 'साकेत' किसकी रचना है ?

(*iv*) हिंदी के किसी **एक** मनोवैज्ञानिक कहानीकार का नाम लिखिए।

Total No. of Questions—**8+8+8**] [Total No. of Printed Pages—**4+1**

[4002]-414

M.A. (Fourth Semester) EXAMINATION, 2011

HINDI (हिंदी)

प्रश्नपत्र 16 : विशेष स्तर : वैकल्पिक

(2008 PATTERN)

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

महत्वपूर्ण सूचना : निम्नलिखित पाठ्यक्रमों में से किसी **एक** ही पाठ्यक्रम के उत्तर लिखिए।

(क) भारतीय साहित्य

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. ''भारतीयता केवल देशीय और भौगोलिक अवधारणा न होकर वह एक आध्यात्मिक, सांस्कृतिक मूल्य चेतना है।'' विवेचन कीजिए।

2. ''तमाम अंतर्विरोधों के बावजूद भारत की सभी भाषाओं के साहित्य में राष्ट्रीय बोध ही मिलता है।'' स्पष्ट कीजिए।

3. वर्तमान भारतीय साहित्य की सामान्य विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

4. मध्यकालीन हिंदी साहित्य में व्यक्त भारतीय मूल्यों का विवेचन कीजिए।

5. '' 'हयवदन' भारतीय सामाजिक चेतना जगाता है।'' स्पष्ट कीजिए।

P.T.O.

6. '' 'अधूरे मनुष्य' की कहानियों में जनसाधारण की भावनाओं, उनके लक्ष्यों का सजीव चित्रण मिलता है।'' विवेचन कीजिए।

7. '' '1084 वें की माँ' एक विशिष्ट कालखंड का दस्तावेज नहीं, विद्रोह की सनातन कथा भी है।'' स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) भौगोलिक समस्या

(ख) भारतीय साहित्य में व्यक्त आधुनिकता

(ग) हयवदन में गीति-योजना

(घ) व्रती की माँ।

(ख) लोक साहित्य

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

(*ii*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. लोक साहित्य की विभिन्न परिभाषाएँ देकर लोक साहित्य और शिष्ट साहित्य के साम्य-भेद को स्पष्ट कीजिए।

2. लोक साहित्य का नैतिक और धार्मिक महत्व स्पष्ट कीजिए।

3. लोक साहित्य का इतिहास, मनोविज्ञान तथा धर्मशास्त्र के साथ संबंध स्पष्ट कीजिए।

4. लोक साहित्य के संकलनकर्ता के साधनों की जानकारी देते हुए लोक साहित्य संकलन की पद्धतियों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

5. लोक गाथा के उत्पत्तिविषयक सिद्धांत को स्पष्ट करते हुए किसी **एक** प्रसिद्ध लोक गाथा का परिचय दीजिए।

6. लोक कथा का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसका वर्गीकरण प्रस्तुत कीजिए।

7. रस परिपाक और अलंकार-योजना की दृष्टि से लोक साहित्य का विवेचन कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) लोक साहित्य की विशेषताएँ

(ख) लोकगीत के प्रेरणा स्रोत

(ग) लोक नाट्य का स्वरूप

(घ) ढकोसले और चुटकुले।

(ग) हिंदी पत्रकारिता

समय : तीन घंटे **पूर्णांक : 80**

सूचनाएँ :—(*i*) किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(*ii*) **सभी** प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

1. पत्रकारिता का स्वरूप तथा महत्व स्पष्ट कीजिए।

2. हिंदी की स्वतंत्रतापूर्व पत्रकारिता का परिचय दीजिए।

3. समाचार लेखन के विविध आयामों को स्पष्ट कीजिए।

4. संवाददाता की कार्यपद्धति पर प्रकाश डालिए।

5. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता के विविध आयामों को स्पष्ट कीजिए।

6. साक्षात्कार तथा खोजी समाचार की प्रविधि का विवेचन कीजिए।

7. मल्टीमीडिया और इंटरनेट पत्रकारिता की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) समाचार-पत्र की प्रस्तुति प्रक्रिया

(ख) रिपोर्ताज लेखन की प्रविधि

(ग) विश्व पत्रकारिता का उदय

(घ) ले आऊट तथा पृष्ठ-सज्जा।